"सृजनात्मकता के प्रकार"

Types of Creativity

टॉरेन्स (Tarrance E.P) के अनुसार ⟹ इन्होंने सृजनात्मकता को दो भागों में बाँटा है —

सृजनात्मकता

- शाब्दिक सृजनात्मकता (Verbal Creativity)
- अशाब्दिक सृजनात्मकता (Non-Verbal Creativity)

① शाब्दिक सृजनात्मकता

अर्थ = वह सृजनात्मकता जिसको भाषा तथा शाब्दिक सामग्रियों के रूप में प्रकट किया जाता है। जैसे — कहानी, लिखना, चुटकुला बनाना आदि, मानसिक योग्यता को भी शाब्दिक सृजनात्मकता कहेंगे।

② अशाब्दिक सृजनात्मकता

वह सृजनात्मकता जिसको आकृति, रेखा, अशाब्दिक सामग्री द्वारा प्रकट किया जाये जैसे — चित्रकारी करना, खिलौना बनाना आदि

(Verbal Creativity)

① शाब्दिक सृजनात्मकता

अर्थ = वह सृजनात्मकता जिसको भाषा तथा शाब्दिक सामग्रियों रूप में प्रकट किया जाता है। जैसे — कहानी, लिखना, चुटकुला बनाना आदि मानसिक योग्यता को भी शाब्दिक सृजनात्मकता कहेंगे।

② अशाब्दिक - सृजनात्मकता

वह सृजनात्मकता जिसको आकृति, रेखा, अशाब्दिक सामग्री द्वारा प्रकट किया जाय जैसे — चित्रकारी करना, खिलौना बनाना आदि

सृजनात्मकता की विमाएँ (मापन (पहचान, लक्षण))

सृजनात्मकता के प्रकारों के आधार पर ही सृजनात्मकता की कुछ विमाएं भी है जिन्हें टॉरेन्स ने दो भागों में बांटा है।

सृजनात्मकता की विमाएँ

शाब्दिक सृजनात्मकता की विमाएँ	अशाब्दिक सृजनात्मक की विमाएँ
1— धाराप्रवाह ② लचीलापन ③ मौलिकता	① विस्तारण ② मौलिकता (चित्रों द्वारा, आकृति द्वारा)

2019

JANUARY

WK 03 | DAY 014-351

MONDAY

14

सृजनात्मकता के प्रकार

1. आकस्मिक सृजनात्मकता – वह सृजनात्मकता जो अचानक (भाग्यवश) हो।
2. सहज सृजनात्मकता – वह सृजनात्मकता जो तात्कालिक परिस्थिति में उत्पन्न होती है।
3. संरक्षात्मक सृजनात्मकता – वह सृजनात्मकता दो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में पहुंचे जैसे कुम्हार का पुत्र अच्छे बर्तन बना लेता है।

10

11

12

सृजनात्मकता विकास की अवस्थाएं / प्रक्रिया

मन (Munn)! — अपनी पुस्तक – "Introduction to Psychology"

1
1 – तैयारी की अवस्था (Preparation) समस्या का चयन
2 – उद्भवन (incubation) समस्या को एक तरफ रखना
2
3 – उद्भासन (inspiration or Illumination) प्रकाशोत्पादन / प्रेरणा / सहजबोध
4 – मूल्यांकन (Evulation)
3
5 – पुनरावर्तन (Revision)

(1) तैयारी की अवस्था

सृजनात्मकता विकास की अवस्थाएं / प्रक्रिया

मन (Munn)! — अपनी पुस्तक - "Introduction to Psychology"

1- तैयारी की अवस्था (Preparation) समस्या का चयन
2- उद्भवन (Incubation) समस्या को एक तरफ रखना
3- उद्भासन (Inspiration or Illumination) प्रकाशोद्भासन प्रेरणा / सहजबोध
4- मूल्यांकन (Evaluation)
5- पुनरावर्तन (Revision)

(1) तैयारी की अवस्था

इस अवस्था में समस्या पर गम्भीरता से कार्य आरम्भ किया जाता है और यह तब तक जारी रहता है जब तक संभव हो। समस्या का प्रारंभिक विश्लेषण किया जाता है और उसके समाधान के लिये मंच तैयार किया जाता है। आवश्यक तथ्यों तथा सामग्री को एकत्रित किया जाता है, उनका विश्लेषण किया जाता है। बीच-2 में योजना में सुधार किया जाता है। विधि को भी बदला जा सकता है। कभी-2 समस्या का समाधान नहीं कर पाते, निराश हो जाते हैं इस समय समस्या को कुछ देर के लिये छोड़ देना चाहिए।

(2) उद्भवन (Incubation)

यह प्रक्रिया जब किसी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा होता उस समस्या को कुछ समय के लिये शांत / दूर रख देना चाहिए उसे उद्भवन या समस्या को एक ओर रखना कहते हैं। इस अवस्था में समस्या पर चिंतन भी बंद हो जाता है। इस अवस्था में हम विश्राम कर सकते हैं, सो सकते हैं, मनोरंजक कार्य कर सकते हैं। ऐसा करने से विचार मद्धम होने लगते हैं जो समस्या में बाधक बन रहे थे। इस प्रकार

M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S FEBRUARY
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 — 2019 —

अचेतन मन काम करने लगता है। उदाहरण - आर्किमिडीज को अपनी समस्या का समाधान तब मिला जब वह नहा रहे थे।

सृजनात्मकता की उन्नति (विकास) हेतु सुझावों/उपायों का वर्णन

Measures (उन्नति)
Suggestions (उपाय)

"Suggestions for Fostering Creativity" or "Measures for Creativity enhancement"

सृजनात्मकता को विकसित/पोषित करने के लिये उचित वातावरण एवं दिये की आवश्यकता होती है। इसे उचित प्रशिक्षण दिया जाये, शिक्षा, अवसर दिये जाये ताकि वह सृजनशील बन सके। सृजनात्मकता सार्वभौमिक होती है। इस पर किसी एक व्यक्ति का एकाधिकार नहीं होता है।

अध्यापकों व माता-पिता का यह आवश्यक है कि वह बालकों की सृजनात्मक योग्यता के विकास को उचित वातावरण व अवसर दे, शिक्षा दे आदि। उचित अभिप्रेरणा व वातावरण, परिस्थिति से सृजनात्मकता को बढ़ाया जा सकता है — मौलिकता, लचीलापन, प्रवाहात्मक विचारधारा, विविध चिन्तन, आत्मविश्वास, सतत परिश्रम, संवेदनशीलता, संबन्धों को देखना बनाने की योग्यता आदि कुछ योग्यताएँ हैं जिनका विकास सृजनात्मकता के विकास में सहायक सिद्ध हो सकता है। इन योग्यताओं को विकसित करने के लिये निम्नलिखित सुझाव सहायक सिद्ध हो सकते हैं जैसे —

Scanned with CamScanner

सृजनात्मकता की उन्नति (विकास) हेतु सुझावों/उपायों का वर्णन

Measures (उन्नति)
Suggestions (उपाय)

"Suggestions for Fostering Creativity" or "Measures for Creativity inhancement"

सृजनात्मकता को विकसित/पोषित करने के लिए उचित वातावरण एवं देखरेख की आवश्यकता होती है। उसे उचित प्रोत्साहन दिया जाए, शिक्षा, अवसर दिए जाए ताकि वह सृजनशील बन सके। सृजनात्मकता सार्वभौमिक होता है। इस पर किसी एक व्यक्ति का एकाधिकार नहीं होता है।

अध्यापकों व माता-पिता को यह आवश्यक है कि वह बालकों की सृजनात्मक योग्यता के विकास को उचित वातावरण व अवसर दे, शिक्षा दे आदि। उचित अभिप्रेरणा व वातावरण, परिस्थिति से सृजनात्मकता को बढ़ाया जा सकता है — मौलिकता, लचीलापन, प्रवाहात्मक विचारधारा, विविधीकरण, आत्मविश्वास, सतत परिश्रम, संवेदनशीलता, संबन्धों को देखना बनाने की योग्यता आदि कुछ योग्यताओं है जिनका विकास सृजनात्मकता के विकास में सहायक सिद्ध हो सकता है। इन योग्यताओं को विकसित करने के लिए निम्नलिखित सुझाव सहायक सिद्ध हो सकते है जैसे —

1. उत्तर देने की स्वतन्त्रता।
2. झिझक और डर को दूर करना।
3. आत्म-अभिव्यक्ति के लिए अवसर।
4. मौलिकता तथा लचीलेपन को प्रोत्साहित करना।
5. सृजनात्मकता अभिव्यक्ति के लिए उचित अवसर एवं वातावरण प्रदान करना
6. बच्चों में स्वस्थ आदतों का विकास करना।
7. समुदाय के सृजनात्मक साधनों का प्रयोग करना।
8. अपना उदाहरण एवं आदर्श प्रस्तुत करना।
9. सृजनात्मक चिंतन के अवरोधों से बचना।
10. पाठ्यक्रम का उचित आयोजन
11. मूल्यांकन प्रणाली में सुधार।
12. आत्म सजगता

13. स्वयं निर्णय लेने की क्षमता।

आदि

Scanned with CamScanner